# अगर तुम्हारा खाटू में दरबार नहीं होता तो बेड़ा गरीबो का कभी पार नहीं होता Bhajans Bhakti Songs

अगर तुम्हारा खाटू
में दरबार नहीं होता
तो बेड़ा गरीबो का
कभी पार नहीं होता

सारी दुनिया से
मैं तो हार गया
रोते रोते तेरे
दरबार गया

लगाया गले मुझे
सहारा दिया
डूबती नइया को
किनारा दिया

अगर बचाने वाला
मेरा सरकार नहीं होता
तो बेड़ा गरीबो का

# कभी पार नहीं होता

अँधेरे बादल गम
के छाये थे
कोई ना अपना,
सभी पराये थे

थाम के हाँथ मेरा
साथ दिया
जीवन में खुशियों
की सौगात दिया

अगर तेरी नजरो में
मेरा परिवार नहीं होता
तो बेड़ा गरीबों का
कभी पार नहीं होता

खाटूवाले तुझसा
कोई और नहीं
सारी दुनिया में
मची है शोर यही

कलयुग अवतारी,
हारे का साथी
थाम ले निज
हांथो से डोर मेरी

अगर हमेशा तू लीले
असवार नहीं होता
तो बेड़ा गरीबों का

कभी पार नहीं होता

अगर तुम्हारा खाटू
में दरबार नहीं होता
तो बेड़ा गरीबो का
कभी पार नहीं होता

Source:
https://www.bharattemples.com/agar-tumhara-khatu-me-darbar-nahi-hota/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw